MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:15 JULY 2026

एमसीयू में एआई एफडीपी का छटवां दिन

मीडिया उद्योग के पैटर्न को बदल रहा एआईः सुधीर झा

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

एआई हमें इंटेलिजेंट नहीं बना सकता, वो हमारे काम करने की गति को बढ़ा सकता है। यह हमें ही तय करना है कि किस तरह के काम में हम एआई का कितना उपयोग करें। आज मीडिया उद्योग में पूरे न्यूज इकोसिस्टम को एआई ने बदल दिया है। न्यूज क्रिएशन से लेकर इसके कंजप्शन तक के पैटर्न को पूरी तरह से एआई ने बदल दिया है। यह बात एमसीयू में जारी एआई एफडीपी में छठवें दिन मंगलवार को पहले तकनीकी सत्र में वरिष्ठ पत्रकार सुधीर झा ने कही। श्री झा ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया का कोई होम पेज हो या अखबारों का पहला पन्ना, उसकी डिजाइनिंग से लेकर कंटेट के प्लेसमेंट के तमाम काम एआई की मदद से हो रहे हैं। इसलिए एआई टूल्स मीडिया प्रोफेशनल्स को आना जरूरी है। उन्होंने एआई की नैतिकी पर बात करते हुए कहा कि यह हमें तय करना है कि हम एआई पर काम करते हुए मल्टिलेयर वेरिफिकेशन करें।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'15 JULY.2026

एमसीयू: मीडिया इंडस्ट्री में एआई की बढ़ रही भूमिका पर हुई चर्चा

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) में मंगलवार को विशेषज्ञों ने मीडिया उद्योग में एआई की बढ़ती भूमिका, नैतिक चुनौतियों, भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। पत्रकार सुधीर झा ने कहा कि एआई हमारी बुद्धिमत्ता का विकल्प नहीं, बल्कि कार्यक्षमता बढ़ाने वाला प्रभावी माध्यम है। आज समाचार निर्माण, संपादन, शीर्षक लेखन, कंटेंट मैनेजमेंट और प्रस्तुति सहित पूरे न्यूज सिस्टम का एआई से तेजी से स्वरूप बदल रहा है। आधुनिक एआई टूल्स कुछ ही सेकंड में लंबी रिपोर्ट तैयार करने, खबरों का संपादन, ऑडियो को वीडियो तथा वीडियो को टेक्स्ट में बदलने में सक्षम हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR'15 JULY.2026

एमसीयू में एआई एफडीपी का छठवें दिन विषया विशेषज्ञों ने रखे विचार

मीडिया इंडस्ट्री के पैटर्न को बदल रहा एआईः सुधीर झा

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

एआई हमें इंटेलिजेंट नहीं बना सकता, वो हमारे काम करने की गति को बढ़ा सकता है। यह हमें ही तय करना है कि किस तरह के काम में हम एआई का कितना उपयोग करें।आज मीडिया इंड़स्ट्री में पूरे न्यूज इकोसिस्टम को एआई ने बदल दिया है। यह बात एमसीयू में जारी एआई एफडीपी में मंगलवार को छठवें दिन पहले तकनीकी सत्र में वरिष्ठ पत्रकार सुधीर झा ने यह बात कही। उन्होने कहा कि न्यूज क्रिएशन से लेकर इसके कंजप्शन तक के पैटर्न को पूरी तरह से एआई ने बदल दिया है। कंटेंट मैनेजमेंट के साफ्टवेयर्स एआई की मदद से कुछ ही सेकेंड में लंबे लेख लिखने से लेकर खबर के शीर्षक तक तैयार कर सकते हैं। ये टूल्स किसी भी खबर को एडिट तक कर सकते हैं उसके फार्मेट को बेहतर बना सकते हैं। आडियो से वीडियो और वीडियो से टेक्स्ट स्टोरीज तक सब कुछ चंद मिनटों में कर सकते हैं। ऐसे में एआई में दक्षता होना आज के समय में एक अनिवार्य शर्त है।

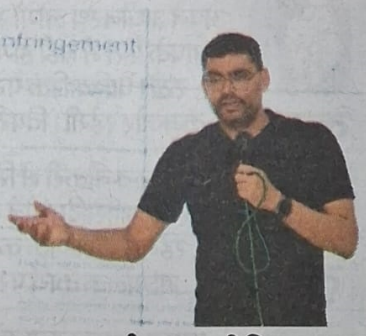

एआई टूल्स मीडिया प्रोफेशनल्स को आना जरूरी

सुधीर झा ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया का कोई होम पेज हो या अखबारों का पहला पन्ना, उसकी डिजाइनिंग से लेकर कंटेट के प्लेसमेंट के तमाम काम एआई की मदद से हो रहे हैं। इसलिए एआई टूल्स मीडिया प्रोफेशनल्स को आना जरूरी है। उन्होने एआई की नैतिकी पर बात करते हुए कहा कि यह हमें तय करना है कि हम एआई पर काम करते हुए मल्टिलेयर वेरिफिकेशन करें। इसके लिए संपादकीय विवेक बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डीपफेक की कठिन चुनौतियों के बीच एआई की सीमाओं को जानना भी जरूरी है। श्री झा ने एआई संबंधी डाटा प्रोटेक्शन एक्ट सहित कॉपी राइट और पर्सनैलिटी राइट्स की बात भी की।

एआई के सारे मॉडल हमसे सीखते हैं और खुद को अपडेट करते हैं : जयप्रकाश पाराशर

दूसरे सत्र में बतौर विशेषज्ञ जयप्रकाश पाराशर ने मल्टिमोडल एआई और रियलटाइम वेरिफिकेशन पर चर्चा करते हुए कहा कि एआई के सारे माडल हमसे सीखते हैं और खुद को अपडेट करते हैं। इसलिए एआई से काम करते हुए हम जितना स्पष्ट प्राम्प्ट उसे देंगे, परिणाम उतने ही बेहतर आएंगे। श्री पराशर ने कहा कि न्यूज इंडस्ट्री में रियल टाइम वेरिफिकेशन की बहुत आवश्यकता होती है ऐसे में मीडिया प्रोफेशनल्स को इन टूल्स की जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नई टेक्नालाजी को आने से कोई भी नहीं रोक सकता और हर तकनीक अपने साथ बहुत से बदलाव लेकर आती है। मीडिया में आने वाले विद्यार्थियों के लिए उन्होंने एआई के प्रशिक्षण को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने मीडिया और क्रिएटिव इंडस्ट्री के क्षेत्रों में एआई को कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने में बहुत मददगार बताया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI'15 JULY.2026

एमसीयू में एआई एफडीपी का छठवां दिन

आज मीडिया इंडस्ट्री के पैटर्न को बदल रहा एआईः सुधीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आज मीडिया इंड़स्ट्री में पूरे न्यूज इकोसिस्टम को एआई ने बदल दिया है। न्यूज क्रिएशन से लेकर इसके कंजप्शन तक के पैटर्न को पूरी तरह से एआई ने बदल दिया है। कंटेंट मैनेजमेंट के साफ्टवेयर्स एआई की मदद से कुछ ही सेकेंड में लंबे लेख लिखने से लेकर खबर के शीर्षक तक तैयार कर

सकते हैं। ये टूल्स किसी भी खबर को एडिट तक कर सकते हैं उसके फार्मेट को बेहतर बना सकते हैं। ऐसे में एआई में दक्षता होना आज के समय में एक अनिवार्य शर्त है। एमसीयू में जारी एआई एफडीपी में आज छठवें दिन पहले तकनीकी सत्र में वरिष्ठ पत्रकार सुधीर झा ने यह बात कही।

डिजाइनिंग से लेकर कंटेट तक सभी काम कर रहा एआई

झा ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया का कोई होम पेज हो या अखबारों का पहला पन्ना, उसकी डिजाइनिंग से लेकर कंटेट के प्लेसमेंट के तमाम काम एआई की मदद से हो रहे हैं। इसलिए एआई टूल्स मीडिया प्रोफेशनल्स को आना जरूरी है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'15 JULY.2026

एआई बदल रहा मीडिया का स्वरूपः झा

नप्र, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषयक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के छठे दिन वरिष्ठ पत्रकार सुधीर झा ने कहा कि एआई मीडिया उद्योग के पूरे कार्य-तंत्र को तेजी से बदल रहा है।

उन्होंने कहा कि एआई काम करने की गति बढ़ाता हैं, लेकिन यह तय करना मनुष्य को ही है कि उसका उपयोग किस सीमा तक और किस उद्देश्य के लिए किया जाए। सुधीर झा ने कहा कि आज समाचार सृजन, संपादन, शीर्षक लेखन, कंटेंट प्रबंधन, पेज डिजाइन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सामग्री प्रस्तुत करने तक एआई का व्यापक उपयोग हो रहा है। ऑडियो को वीडियो और वीडियो को टेक्स्ट में बदलने जैसे कार्य अब कुछ ही मिनटों में संभव हो रहे हैं। उन्होंने एआई के उपयोग में नैतिकता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी सामग्री के प्रकाशन से पहले बहुस्तरीय सत्यापन और संपादकीय विवेक अनिवार्य है।

कार्यक्रम के दूसरे तकनीकी सत्र में विशेषज्ञ जयप्रकाश पराशर ने मल्टीमॉडल एआई और रियल-टाइम वेरिफिकेशन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि एआई मॉडल उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्देशों के आधार पर बेहतर परिणाम देते हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'15 JULY.2026